अवैध कब्जा बालक हाई स्कूल और मार्ग की आरक्षित भूमि का मामला, ग्रामीणों ने कलेक्टर से की अवैध दुकान निर्माण रोकने की मांग

आरक्षित भूमि पर राजनैतिक दबाव में दुकानों का निर्माण

नारायणगंज, नवभारत। नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया में शासकीय बालक हाई स्कूल की आरक्षित भूमि पर अवैध निर्माण का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने एकजुट होकर जिला कलेक्टर, नारायणगंज तहसीलदार, निवास एसडीएम को पत्र सौंपकर स्कूल प्रांगण में हो रहे दुकान निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत पड़रिया अपनी मनमानी करते हुए बालक हाई स्कूल एकीकृत शाला के प्रांगण में अवैध रूप से दुकानों का निर्माण करा रहे हैं। यह भूमि भविष्य में स्कूल के विस्तार और शैक्षणिक विकास कार्यों के लिए आरक्षित है। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत प्रशासन द्वारा ये दुकानें कुछ चुनिंदा लोगों से पैसे लेकर उन्हें आवंटित की जा रही हैं, जो सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और पद का दुरुपयोग है।

न्यायालय की अवमानना का आरोप

शिकायती पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिस भूमि पर निर्माण कार्य हो रहा है, उस पर पहले भी न्यायालय में प्रकरण चल रहा था। न्यायालय में अवैध कब्जाधारी केस हार गए थे, इसके बावजूद पंचायत प्रशासन उन्हीं कब्जाधारियों को फिर से दुकान निर्माण कर भूमि सौंपने की तैयारी में है। ग्रामीणों ने इसे न्यायालय के आदेशों की खुली अवमानना करार दिया है।

शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं

ग्रामीणों ने बताया कि इस अवैध निर्माण की शिकायत 181 सीएम हेल्पलाइन और तहसील कार्यालय में भी की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। वर्तमान में स्कूल भवन का नया निर्माण होने के कारण प्रांगण पहले से ही संकीर्ण हो गया है, ऐसे में दुकानों का निर्माण बच्चों के शैक्षणिक माहौल को पूरी तरह प्रभावित करेगा।

ग्रामीणों ने हस्तक्षेप की मांग

ग्राम पंचायत पड़रिया नारायणगंज के निवासियों ने कलेक्टर से विनम्र प्रार्थना की है कि बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस अवैध निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाई जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस पर संज्ञान नहीं लिया गया, तो वे अपने अधिकारों और बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए आंदोलन करने के लिए विवश होंगे।

पंचायत पर सत्ता पक्ष बना रहा दबाव

कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले ने कहां कि विकासखंड नारायणगंज की ग्राम पंचायत पड़रिया के स्कूल से सटी जमीन का विगत करीब 15 वर्षो से न्यायालय में मामला चल रहा था। न्यायालय के निर्णय के बाद उस जमीन में बनी अवैध दुकानों को पंचायत द्वारा अलग करा दिया गया। इसके बाद पंचायत पर सत्ता पक्ष और राजनैतिक दबाव बनाकर स्कूल मद की जमीन और मार्ग के लिए चिन्हित जमीन पर दुकान निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई है। जिलाध्यक्ष श्री मर्सकोले ने कहां कि पड़रिया पंचायत के सरपंच पर राजनैतिक दबाव बनाया जा रहा है। जिला अध्यक्ष का कहना है कि स्थानीय स्तर के प्रशासनिक अधिकारी भी दबी जुबान से कहते है कि हमें भी ऊपर से दबाव है। ग्रामीणों की शिकायत करने के बाद भी किसी ने उनकी नहीं सुनी तो हम स्वयं एडिशनल कलेक्टर से इस समस्या पर चर्चा की।

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

नारायणगंज के ग्रामीणों ने एसडीएम निवास को भी शिकायती पत्र सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि नया शाला भवन बनने से परिसर पहले ही छोटा हो गया है, ऐसे में दुकानों का निर्माण बच्चों के शैक्षणिक माहौल को नष्ट कर देगा। यदि शीघ्र ही निर्माण कार्य नहीं रोका गया, तो ग्रामीण उग्र जनआंदोलन के लिए विवश होंगे।

बाघ के साथ संघर्ष में नर तेंदुए की मौत

सभी अंग सुरक्षित मिले, पोस्टमार्टम में सिर पर मिले बाघ के दांतों के निशान

कान्हा/टाटरी। कान्हा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत किसली वन परिक्षेत्र में एक नर तेंदुए का शव मिला है। वन विभाग ने बताया कि तेंदुए की मौत आपसी संघर्ष के कारण हुई है। बताया गया कि 19 जनवरी को किसली परिक्षेत्र के बीट मोचीदादर के कक्ष क्रमांक 645 (6) में साल्हेभट्ठा के पास एक नर तेंदुए का शव बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही एनटीसीए नई दिल्ली और मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्यप्रदेश द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत इलाके को सुरक्षित किया गया। डॉग स्क्वाड की मदद से घटना स्थल की सघन जांच की गई, जहाँ बाघ की उपस्थिति के पुख्ता साक्ष्य मिले।

बताया गया कि मंगलवार को कान्हा टाइगर रिजर्व के वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. संदीप अग्रवाल, डॉ. दीपाली परते, डॉ. विशाल उद्दे और डॉ. सुनील गोयल की टीम द्वारा मृत तेंदुए का पोस्टमार्टम किया गया। जांच में पाया गया कि तेंदुए के शरीर के सभी अंग सुरक्षित हैं। हालांकि, तेंदुए के सिर पर बाघ के दांतों के गहरे निशान मिले हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उसकी मौत बाघ के हमले से हुई है।

तेंदुए का किया अंतिम संस्कार

बताया गया कि निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत शवदाह की प्रक्रिया संपन्न की गई। इस दौरान मुख्य वन संरक्षक जबलपुर मस्तराम बघेल, उपसंचालक पुनीत गोयल, सहायक संचालक सूरज सिंह सेन्दराम, एनटीसीए प्रतिनिधि शिवांगी बेन्द्रे और तहसीलदार बिछिया शंकर मरावी,खटिया सरपंच श्यामवती उईके सहित संबंधित अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वन विभाग ने इस मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया है और अग्रिम कार्रवाई जारी है। संपूर्ण प्रक्रिया की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी कराई गई है।

मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना से हर माह कमा रहे 14 हजार

मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना से चैनसिंह की बदली तकदीर, खेती के साथ डेयरी से बने आत्मनिर्भर

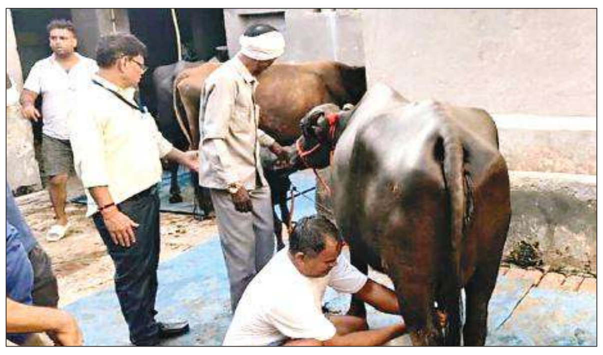

बम्हनी बंजर। मध्यप्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक क्रांति का सूत्रधार बन रही है। किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई यह योजना अब धरातल पर रंग लाने लगी है। इसका ताजा उदाहरण मंडला विकासखंड के ग्राम ग्वारा में देखने को मिला है, जहाँ किसान चैनसिंह भांडे ने पशुपालन को अपनाकर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति सुधारी है, बल्कि समाज में एक नई पहचान भी बनाई है।

चैनसिंह भांडे लंबे समय से पारंपरिक खेती पर निर्भर थे। मौसम की अनिश्चितता और खेती की बढ़ती लागत के कारण उन्हें परिवार चलाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने आय का एक स्थायी स्रोत विकसित करने का संकल्प लिया और पशुपालन के क्षेत्र में कदम रखा। शासन के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना ने उनके इस संकल्प को हकीकत में बदल दिया।

सरकारी सहायता ने दी सपनों को उड़ान

योजना के तहत चैनसिंह को 2.95 लाख रुपये का स्वीकृति लाभ प्राप्त हुआ। 13 सितंबर 2025 को उन्हें योजना के माध्यम से दो उन्नत नस्ल की भैंसें प्रदान की गईं। बेहतर पशु प्रबंधन, चारा व्यवस्था और उचित देखरेख के चलते उनका डेयरी व्यवसाय तेजी से पटरी पर आ गया। आज चैनसिंह भांडे डेयरी व्यवसाय से प्रतिमाह 13 से 14 हजार रुपये की शुद्ध आय प्राप्त कर रहे हैं। इस अतिरिक्त कमाई से उनके परिवार के जीवनस्तर में बड़ा सुधार आया है। बच्चों की शिक्षा और घर की जरूरतों को पूरा करने में अब उन्हें कोई आर्थिक तंगी नहीं होती।

गाँव के लिए बने प्रेरणास्रोत

चैनसिंह की सफलता केवल उनके परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि वे आज ग्राम ग्वारा के अन्य किसानों के लिए एक रोल मॉडल बन चुके हैं। उनकी सफलता को देख गाँव के अन्य युवा और किसान भी अब कृषि के साथ-साथ पशुपालन को एक व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

इनका कहना है

यह योजना मेरे लिए किसी वरदान से कम नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इस पहल ने मुझे आत्मनिर्भर बनाया है। अब मैं खेती के साथ-साथ एक सफल डेयरी व्यवसायी के रूप में सम्मान के साथ जी रहा हूँ।

चैनसिंह भांडे, लाभार्थी किसान

माहिष्मती ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने किया सुहागले पूजन

श्रृंगार दान कर मातृशक्तियों ने लिया माता का आशीर्वाद

भुआबिछिया। भुआ बिछिया के श्रीराममंदिर परिसर में माहिष्मती सर्व ब्राह्मण समाज की मातृशक्तियों द्वारा श्रद्धा और उल्लास के साथ सुहागले पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं ने हिस्सा लेकर अपनी परंपराओं का निर्वहन किया।

कार्यक्रम की विशेषता इस बार का ड्रेस कोड रहा। सभी महिलाएं लाल वस्त्रों में उपस्थित हुईं, जो न केवल मांगलिक प्रतीक है बल्कि समाज की एकजुटता को भी दर्शाता है। ब्राह्मण समाज महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती संगीता गर्ग ने बताया कि प्रतिवर्ष माघ मास में यह आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 19 जनवरी को गुप्त नवरात्रि का प्रथम दिवस होने के कारण इस आयोजन का महत्व और भी बढ़ गया।

परंपरागत पूजन के साथ किया श्रृंगार दान-कार्यक्रम का शुभारंभ माताजी के विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके बाद परंपरा के अनुसार सभी सुहागन महिलाओं की ओली भरी गई और उन्हें श्रृंगार सामग्री का दान किया गया। उपस्थित महिलाओं ने एक-दूसरे को सौभाग्य की मंगलकामनाएं दीं। पूजन के उपरांत गाजे-बाजे के साथ माताजी का विसर्जन किया गया और अंत में सामूहिक भोजन प्रसाद का वितरण हुआ। इस आयोजन में समाज की प्रमुख महिलाओं सहित भारी संख्या में मातृशक्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में रश्मि दीक्षित, शशि मिश्रा, गोपी उपाध्याय, अरुणा दीक्षित, ममता पाण्डेय, निशा गर्ग, रत्ना गर्ग, रानू पाण्डेय, अर्चना पाण्डेय, मीता चौबे, निधि ज्योतिषी, नीता दीक्षित, योगिता ज्योतिषी और मीनल चौबे सहित समाज की लगभग 80 से अधिक महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कबीर धर्मनगर में उमड़ेगी भक्तों की भीड़

बसंत पंचमी पर होगा 16वें वंशाचार्य का तिलक महोत्सव

नैनपुर। समस्त क्षेत्रीय मानिकपुरी समाज और सदगुरु कबीर साहेब की शिक्षाओं के अनुयायियों के लिए आगामी 23 जनवरी का दिन अत्यंत गौरवशाली होने जा रहा है। कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा जिला बलौदा बाजार, छत्तीसगढ़ में वंश 42 शाखा के 16वें वंशाचार्य, परम पूज्य उदितमुनि नामसाहब का चादर तिलक समारोह पूरी गरिमा के साथ आयोजित किया जाएगा।

बताया गया कि यह महोत्सव 23 जनवरी बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर शुक्रवार को प्रात: 9 बजे से प्रारंभ होगा। कबीर पंथ की धर्मदास वंशावली के अनुसार, चादर तिलक की यह परंपरा आध्यात्मिक उत्तराधिकार का महत्वपूर्ण प्रतीक मानी जाती है, जिसमें देश भर के श्रद्धालु सम्मिलित होकर गुरु दर्शन का लाभ लेते हैं।

नैनपुर और मंडला के श्रद्धालुओं में भारी उत्साह-नैनपुर तहसील और मंडला जिले के कबीरपंथी धर्मावलंबियों ने इस कार्यक्रम को लेकर विशेष तैयारियां की हैं। जिला मीडिया प्रभारी शंकर दास पड़वार ने बताया कि यह हम सभी के लिए परम सौभाग्य की बात है कि हमें इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने का अवसर मिल रहा है। समाज के पदाधिकारियों ने समस्त संत हंस जन और नेमी प्रेमी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में दामाखेड़ा पहुंचकर अपने जीवन को धन्य बनाने की अपील की है।

रावण द्वारा स्थापित शिवलिंग की महिमा सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

सहस्त्रधारा में शिव भक्ति का संगम

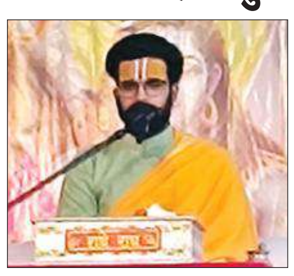

बकौरी। बकौरी स्थित सागर में आयोजित पावन नर्मदा पुराण कथा के दौरान श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। कथा के विशेष प्रसंग में प्रसिद्ध कथावाचक पं. दिवाकर चौबे ने महाराजपुर स्थित मंगलेश्वर महादेव और सहस्त्रधारा की दिव्य महिमा का सजीव वर्णन किया, जिसे सुनकर पाण्डाल में मौजूद हजारों श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए।

पं. दिवाकर चौबे ने अपने ओजस्वी प्रवचन में कहा कि महाराजपुर स्थित मंगलेश्वर महादेव मंदिर केवल एक प्राचीन तीर्थ नहीं, बल्कि भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने वाला जाग्रत केंद्र है। उन्होंने पौराणिक प्रसंगों के माध्यम से बताया कि जो भी भक्त सच्चे मन और अटूट विश्वास के साथ यहाँ शिव पूजन करता है, उसके जीवन के समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं और उसे अलौकिक शांति प्राप्त होती है।

कथा के दौरान सहस्त्रधारा क्षेत्र का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि यह वह पावन स्थल है जहाँ लंकापति रावण ने स्वयं शिवलिंग की स्थापना की थी। माँ नर्मदा की अनंत धाराओं के बीच स्थित यह क्षेत्र तप और साधना के लिए अत्यंत प्रभावशाली है। पं. चौबे के अनुसार, सहस्त्रधारा में दर्शन मात्र से अंत:करण शुद्ध होता है और मनुष्य के पापों का क्षय होता है। माँ नर्मदा को साक्षात मोक्षदायिनी बताते हुए कथावाचक ने कहा कि उनके दर्शन और स्मरण मात्र से ही जीवन धन्य हो जाता है। नर्मदा तट को उन्होंने आत्मशुद्धि का मार्ग बताया। कथा के दौरान पूरा वातावरण हर-हर महादेव और जय नर्मदे के जयघोष से गूंज उठा। कई श्रद्धालु भक्ति भाव में डूबकर भावुक नजर आए। आयोजकों ने बताया कि कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में जनसैलाब उमड़ रहा है, जो आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर रहा है।

थाईलैंड में ईवा नूतन लाल ने जीते तीन सिल्वर मेडल

जवाहर नवोदय विद्यालय की शिक्षिका ने थाईलैंड में भारत के नाम किए 3 पदक

अंजनिया। जवाहर नवोदय विद्यालय पदमी में पदस्थ शारीरिक शिक्षिका ईवा नूतन लाल ने अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में भारत का मस्तक ऊंचा किया है। थाईलैंड में आयोजित प्रतिष्ठित छटवां थाईलैंड ओपन मास्टर्स गेम्स 2026 में उन्होंने अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए एथलेटिक्स स्पर्धा में तीन रजत पदक हासिल किए हैं। बताया गया कि इस अंर्तराष्ट्रीय प्रतियोगिता में दुनिया भर के अनुभवी मास्टर एथलीटों ने हिस्सा लिया था। ईवा नूतन लाल ने 45 वर्ष आयु वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए डिस्कस थ्रो में सिल्वर मेडल, जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल और शॉट पुट में सिल्वर मेडल जीते है।

स्वदेश लौटने पर हुआ स्वागत

तीन-तीन पदक जीतकर अंर्तराष्ट्रीय मंच पर देश और मंडला जिले का नाम रोशन करने के बाद, ईवा नूतन लाल के स्वदेश लौटने पर खेल प्रेमियों और विद्यालय परिवार द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया गया। उनकी इस सफलता पर जवाहर नवोदय विद्यालय सहित पूरे जिले में हर्ष का माहौल है।

शिक्षकों ने स्कूलों के भ्रमण से सीखा नवाचार

खिन्हा प्राथमिक शाला को ए-ग्रेड ट्रॉफी से किया सम्मानित

बबलिया। विकासखंड नारायणगंज के सुदूरवर्ती क्षेत्र कापा की एकीकृत माध्यमिक शाला में गत दिवस एक संकुल स्तरीय शिक्षा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मेरा विद्यालय सुंदर विद्यालय कार्यक्रम की समीक्षा करना और संकुल के प्रत्येक विद्यालय को ए-ग्रेड की श्रेणी में लाने के लिए कार्ययोजना तैयार करना था।

सम्मेलन में संकुल के प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों के लगभग 80 शिक्षक और संस्था प्रमुख शामिल हुए। संकुल प्राचार्य डीके सिंगौर और कन्या हाई स्कूल बबलिया की प्राचार्य श्रीमती सावित्री आर्मो के नेतृत्व में एक दल ने संकुल की 9 शालाओं का सघन भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विद्यालयों में किए गए नवाचारों, रंग-रोगन, और सहायक शिक्षण सामग्री के उपयोग को धरातल पर देखा गया।

इन स्कूलों के प्रयास सराहे गए, कहीं मिले सुधार के निर्देश-प्राथमिक शाला खिन्हा में विद्यार्थियों की 99 प्रतिशत उपस्थिति और बेहतरीन नवाचारों की जमकर प्रशंसा हुई। ए-ग्रेड प्राप्त करने पर विद्यालय को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। पीएम श्री विद्यालय छपरा, एकीकृत माध्यमिक शाला मुकासकला और चकदेही के कार्यों की सराहना की गई। इसके साथ ही प्राथमिक शाला भिलवा टोला, महुआ टोला और पिपरिया टोला में शिक्षकों को सुधार के लिए आवश्यक परामर्श और दिशा-निर्देश दिए गए।

पालकों से जुड़ाव और गुणात्मक सुधार पर दें जोर-स्कूलों के भ्रमण के बाद आयोजित सभा में संकुल प्राचार्य डीके सिंगौर ने शिक्षकों के उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में न केवल भौतिक सुधार रंग-रोगन दिख रहा है, बल्कि बच्चों के व्यवहार और शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार आया है। प्राचार्य ने शिक्षकों को निर्देश देते हुए कहां कि एक दिन भी अनुपस्थित रहने वाले बच्चों के पालकों से तत्काल संपर्क करें। पालकों के व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर विद्यालय की गतिविधियों की जानकारी साझा करें। शैक्षिक संवाद के दौरान सामूहिक रूप से टीएलएम का निर्माण करें। बच्चों में शिष्टाचार और सामान्य ज्ञान विकसित करने पर विशेष ध्यान दें।

अनुभव किया साझा- सभा में प्राचार्य हरि लाल वरकड़े, सुरेंद्र कुर्वेती, संजय वरकड़े और प्रधानाध्यापक श्रीमती राजश्री सरवटे व श्रीमती रेखा लोधी ने अपने विद्यालयों के सफल अनुभव और सुझाव साझा किए। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक दिलीप मरावी द्वारा किया गया। प्राचार्य ने घोषणा की कि भविष्य में भी इसी तरह के सम्मेलन और स्कूलों के भ्रमण का सिलसिला जारी रहेगा ताकि संकुल का हर विद्यालय आदर्श बन सके।

140 टीमों के महामुकाबले में मजगांव ने मारी बाजी

बबलिया क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन,विधायक जनपद अध्यक्ष रहे मौजूद

बबलिया। क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से बबलिया मंडल में विगत 15 दिसंबर से आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का रंगारंग समापन हुआ। इस विशाल टूर्नामेंट में जिले भर की 140 टीमों ने हिस्सा लेकर अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया। मजगांव बनाम बबलिया प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला मजगांव और बबलिया की टीमों के बीच खेला गया। 15-15 ओवरों के इस निर्णायक मैच में मजगांव ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मजगांव ने निर्धारित ओवरों में चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया। जवाब में उतरी बबलिया की टीम मजगांव के गेंदबाजों के आगे टिक नहीं सकी। पूरी टीम मजगांव के सटीक आक्रमण के सामने मात्र 8 ओवरों में 46 रन पर ही सिमट गई। इस तरह मजगांव ने फाइनल मैच जीतकर गौरवशाली बबलिया मंडल ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर विधायक चैन सिंह वरकडे विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। समापन समारोह में जनपद अध्यक्ष आसाराम मरकाम, नारायणगंज उप-सरपंच संजय सोनी, पूर्व सरपंच श्रीमती जानकी देवी धुर्वे, पंच मनीष नामदेव सहित गणमान्य नागरिक प्रमोद यादव और देवचरण आदि उपस्थित रहे।

टूर्नामेंट को सफल बनाने में संचालक सतबीर भवेदी, मुन्नालाल यादव, हरिलाल वरकडे, रामजी वरकडे, विक्की चक्रवर्ती, दिनेश यादव, सुखदेव यादव, पप्पू बैरागी और वीरेंद्र नामदेव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान शिक्षक जरिया जी, कर्म सिंह वरकडे और क्षेत्र के सैकड़ों खेल प्रेमी दर्शक उपस्थित रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का जमकर उत्साह बढ़ाया।